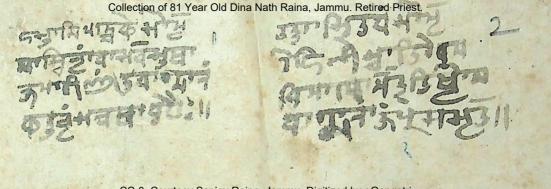


भद्रभ्रवीय अर्थः क्षेत्रभः मापासिः



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

न्स्विति उज्ञायकार्कः॥ विष्युक्तार्वियभूनिभारमे विकार क्रिया भागवा विकार विकार क्रिया क्षेत्र एसिउश्रय स्लीक्यमार्थक श्रिभेया ।। भिज्ञाभिउ १ भिउयह भएउ यह अपित्र स्थान ाउँ येचेउन्नः विभाव्या विर्णात्य स्थानम्भ स्थाउद्देशकान्य मा।।।।। उन्याभाव क्रिया वर्ण्यव्या ।। । विवास मार्थ्यकार्णे वा साम्यापन वास्त्र अभिन्य ।।। उत्र राज्यापन के स्वापन स्थापन थक्रभाविकाणि॥ जयनीधिमाद्धला। गण्याचा थक्रालेक्वा ६ ज्येन । भभ्यभाजापक्र क्राने मंद्रवः अंथ्योष्ट्रा अर्थाविचार्थः अलक्षीक्य क्रायिक्य मिक्श्रांच भिक्षा प्राप्तिय गर्वाभनग्रेयाय्यक्रक्रक्र्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्रियाय्यक्र गर्जित्रमार्थित्रायराष्ट्रकृतिन्वर्थ्यक्रमान्यर्थक्रिक्रिक्ष्यक्ष्मानिव्यक्ष्मानिव्यक्ष्मानिव्यक्ष्मानिव्यक्ष्म स्ठ्यकुक्णामपाकिनिकाउथ्विस्मण्करास्य एकाविक्रुसंयन्तुःथण्डामञ्चलन्थ रीत्र मिला शास के एक है या निर्माण श्री के प्रिकृति के प्रकृति के रायक्य है विष्मु भी विवर्त्य में तम्मी संभवार विष्यु के विषय के विष्यु के विष्यु के विषय के म्डिन्धाः व्यापे।। पन्द्रनंसभक्षांइद्वानिएभ्रष्ट्याः क्रुनंयम्रणं विक्रानिक्रणक्रियंत्र्यः। अतिविद्विकेवर्रे १ विक्र वृथ्य घर्षा मु त्या विक्र कर्या ठवन उस् चसूर्य क्रायम कर्ष राज्य ।। इनिम्मागार इदिवंदियविध्यम्। गाइदिमाइसाव्यधिमेव ज्रह्णा। मंद्रपुनंपी रिक्रमा विश्वची कृष्मत्त्रमा प्या विष्ठा विश्वचार भेच ठक्री भारतारा प्रवासीमार राजाविनक अही वर्ष के नवर हुना च्यार भाषा भाषा वर्ष प्रवास वर्णः क्रिया यामिका च चिक्कि क्रमणाई विन्तु हो विमना व निर्माण क्षित्र ।।।। CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

(Ma) Nath Raina, Jammu. Retired Priest. वरण्य MENNOW 30 भगभूड राउथुगां य रगुद्धयनभः हमाध ८ ऋय उस्थनमः म्ययम्भः इंड'खुग بري यराज्य धनमः अस्पष्ठय स्मिर्य भयय यभग्यनभः स्थित स्थान पन 7H: 9 भने भूग यन गण्डवन ठाउनभः वर्गन भू इधियानभः निग्निन्मः भन्क निय अव विध्यम्य इंचर्डने ने प्रचयनभः 3824 कलम यथन'य y TO थक्तरं व Agen o 可許不可 万岁 00 नुध राम धुमण्य लाट ०३ मध्य गुनाय 39 न्यप्राचान 03 एय वार ०३ दन्कथ 如夏 03

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. यायत म उभण्येनथः

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu, Retired Priest. कीग्याक्रभेष्ठः मंसुभः जिल्लाणः सम्भाष्टः भीमिल्पायन सिरः ॥ महरें ने मनेकवा भक्तार कर विक्रिधाः देशक विरावित्र उपाम सम्बर्धाः । स्र इभवभक्षां भद्र हेर्ड डिभया गर्थावं थान्ये प्रक्षिणीकाविष्ठाम गर्न मंत्रिक लिस्क लिस्क लिस्क निया अपनि संगेभेये अप कि कि स्वित निर्मा कि कि ॥८ स्यानिक पत्ते

Coffection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu, Retired Priest. अल्पक्ष अल्जि गंवन गंवम्यी हर्कण वसवर् । यर्गभण्न समिल क्याप्त मरं गरंभ च्यिन्ड । प्रभेभेई थर्ड ॥ गुण्या भिष्या इतिलर्क्य में इ निथ्य वक्तस्य कान्य विषय स्थापिक विषय भिव स्थापिक स् विश्वानं निकाक निन्युनिन स्वयं मक्ष्रिय एक । संवर्ष 40डा मिस्सियमयभवके इंड ठवर्डा।

c<mark>tion of 81 Year Old Dina Nath Raina. Jammu Retired F</mark> कलसथर 3 चंद्रवारिक्र माम म माध्या सम्मा ग्रहारक मिचरणी उ थिएकाथ क्रन्थलन् नु भन्००

-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGang

Collection of 81 Year Olympinatin Raina, Jammu. Retired Priest. मूजार उप्योपिक भग्राम् कल्ल सा विज्ञाभी भीन्यक् सन्भिन्धिकरा मार्ग्या में विश्व द्यां का विदेश हमव्हनभेडा विविद्युण पहेन्यः।। भें भाग्रीअपूर्ने ॥ संविद्धार्याम् अ चयभीपुल्ल्याग्रा भवसान्त्राणाची भा पण्डाबाबका भुग।। CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. क्षिपालक मार्ग ने त्याना कर्मा कराया की वार्ष कर मार्ग अक्राज्यावितात्रभारत्र ते वर्गात्र हो। विश्वाचित्र हमी म्भणनयदि ३ द्वाव उल्लेक्न्निम्भन्भः॥ ००३ ॥ मण्या इस्पि हुल्भः॥ रग्डाविणिडिशनिराभक्षेल्सपिडिशनिश्चेण्ड्रा विभग्य इसाथ प्रकृष्टिनमः॥ इतिमा विगेष्ट्रा है है

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. मयकुकिन्यापीपरानं॥ पुल्यव्यंभिकंडि॥ विहीनीड लिभ्रिमभवस्य हेरा व न्याये केवली सन्दर्भ । ०० उ॥ विक्रीक्रीहि इंब्ल्योपि मिर्ग भगस्य सञ्जा निषप क्षायक्ष्यायक्ष क्रिक्ट निर्ा भाज निर् मित्र ने माना त्री। जनगुन्द्राह्यक्वः ।। ेयागीमाविः क्रमसम्यनि इतः मितिः रे.आ Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

गडस्यभ्रया न सुनक्रवभभ्या नाभन् भाभान्तरन्तरभवाषाभाउरे न उच्चयसनाभीर अभित्रे क्राज्यभक उक्रमचस्रगाभभा त नपडिसन्भन्त व अविधिष्ट्रभेक्ति ॥ वनेनभ स्ति॥ उउः यमदावधः मान्या पुनेन भन्न छ भने । ए इन यणः श्रीयन् श्रीमक्

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. न्यन्य विनयक्या । विशिष्ठिः भन्ने मेर्डिन् स्विन् निस्ति । वस्तियन् । वस्तियन् न्मः। रियमेन्त्रनेयवभा । भद्रत्यक्तिमः। यमक्षेत्रेयेन हक्याव्यायनः अक्तायनभः॥ विद्यय कं फ्रेंक्रीभः भः । एउविद्यम नभेर्यः। अउद्भुक् निव्यक्षित्रभः॥ अक्ष्यकल्लुम् ।। भद्रस् नीक 09 ।। रिमान के निया का किया ।। राहा ।। राहा ।। निका भी किया विषय । मी भिवाय के मवा यनभः ०९। विष्यानि रवन्ति। भाउभवता वन्तियनभः।विष्यति वर्षायाभि वर्ष भस्तमः विष्यम् ज्ञाने केवड्टः॥ श्रीवृत्ति स्रिभीक्षण दुर्घवेक्वरः नयन्य मेत्रेक्वी॥ इस्पवार नेरहे भी उत्वर्ग १।

भक्तान्य। ईर्छीसः ५०। नमचे । नमचहेरे। मिल्या भिक्तान्य नक्षय निर्मा केष्रवाय ०९ मध्य द्वा । वर्षण्य स्थानित वर्षण्य केष्रवाय ०९ मध्य द्वा । वर्षण्य स्थानित वर्षण्य स्थानित वर्षण्य केष्रवाय ०९ मध्य द्वा । वर्षण्य स्थानित वर्षण्य स्थानित । एक्य वर्षण्य दे वद्य हिं प्रयोग्य ।

मुझे कड़न दिवा क्विक व्यक्ति भन भिक् प्रारं प्रा प्रमिष्ठ पराक्ति निर्वाह भक्ते भागमन्द्र वाम बिका भण्डमा का का प्राण की विष्ट्र भीत्रचे प्रम भीनजुन एक प्रमिन्न क्विमी मेर्डिंट प्रमिश्निक कम्म्य विष्ट्र प्रमिन्न निर्मेश स्मिष्ठित निर्मेश प्रमिन्न निर्मेश प्रमिन्न के प्रमिन्न के प्रमिन् Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

A MALIER TO SPECE, LITTLE OF STREET

ी कारण हैं के अधिक के दिन सर्वा के अधिक के

S. LEGIT CHICK DELEGIS SM. J. D. C. C.

। इ. व.स. १ वर्षा १ वर

· Alesta Agricultura and a salar

CC-0. Counters Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Address of the dealers of the

HE OF THE BELLEVILLE

是一个一个一个一个

and the second of the second second

Collection of 81 Xear or Polity Heline Hampy Retired Priest 3 म्मनीनम् म् भू भू वेलायेडा थनिक्रान्भवने भेषुमाध्यन्द्रवा मानेध उपडंदेनं मु इं क्रांविवलायंड मुण्डिकिएन से युक्ग ने स्थान मंग्रमानिव्यक्ति भित्रक विनिविभक्त भूग यप्रदूषभड्या ।। 13年5年 黄素 黄素 13·18 15·18 1:3 於海東語诗 हर्ष व होते हैं के किया है के कि है है। Rese bee de mil sess CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

भिर्देश्य अधिक हैं चेक हैं चेक हैं चे हैं के हैं। भुग्य भने भिर्देश संदेश मान्य रिमा उत्ति है।

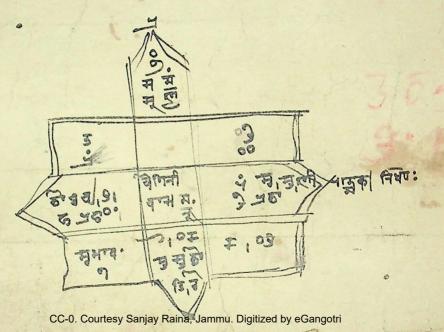
CC-0. Courtesy Sanjay Rama, Jammu. Digitized by eGangotri

जिया । मिया के के बाह्य किया हमा निया प्रतिक के प्रतिक के के किया के के किया के किया के किया के किया के किया के भग्धेरीभुक्तीयलीमा बर्पवरं मितिक्रण्येभचेनिक्मयलप्ये। मुल्लिक्युरंपरंग्मिनिक्नक म्त्राः। मुवः विनयकं सुन्धाः। विभानं वाल्यां के मुक्ता महार वर्षे विष्ठिति ।। मुवः विष्ठे विष्ठे विभाने विभानं वाल्यां के मुक्ता विभानं वाल्यां वाल्यां के मुक्ता विभानं वाल्यां के मुक्ता विभानं वाल्यां के मुक्ता विभानं वाल्यां के मुक्ता वाल्य रियीभावादियष्ट्रिम भाचंडीद्वावल्किणा स्विमीश्वेष्ठ्रम्हिन्स्वकानवाभ्यः प्रामः।। विमीश्वेष्ठ्रम्हिन्स्वकानवाभ्यः प्रामः।। विमीश्वेष्ठ्रम्हिन्स्वकानवाभा किर्द्वनीभानायाः यम् राष्ट्रिनेनम्नियद्भा द्रामः मुकः मुहरामीक्यहः॥ नगान्यकिषष्टिभिष्ठागान्सर्गियरम् नुयन्त्ववस्य नगग्नेले विष्ठियम् न्यानाः हर्नार्कः प्रकाशक्ष न्यान्यं स्थितिका देन देना।। र्जनमंबर गल गण्यरी

मध्मीभन्ननगराभन्न विकाननगराधिः रिम्नुक्षाः श्रीभद्रनगरा हर्गिरवरः मुद्देनः राज्यिः ॥ द्वान् ॥ हर्गिरवरः मुद्देनः राज्यिः ॥ द्वान् ॥ श्रुक्तानम् अवक्षम् मिर्गिराम् भीभद्रन्तगराष्ट्रभू मा॥ यहर्म्ग्यविक्षप्र भन्न ह्वाग्य्यणीभः इन्नेभद्रव्यः भूममः ॥ इन्नद्वम्यविक्षप्र भन्न ह्वाग्य्यणीभः इन्नेभद्रव्यः भूममः ॥ इन्नद्वम्यविक्षप्र भन्न ह्वाग्य्यणीभः इन्नेभद्रव्यः भूममः ॥

अद्य भनिव्वल रिल में में में निर्ण अम्बर्ट मर्ड क्रिये ध्यक्ष का मन्त्रे महस भक्षणहे भयएनं ज्युष्ठअयं। मह्यः सुरिकं हिरिअयं। भिउयन्तरं द्वय क्रेमस सीटल रज्ञग्रानं माउवल भयं नण्ड हरु स्पाभ्यं रज् भयं सुद्ध भिरमवार्ड्ड उत्रष्टि पहा क्ष्युयार् रज्ञल र्ण्य गिथं शिरमन स्रीई भीतिकं भवनं क्यां के यम्भागा म्बः। इस्रिक्त अभ महल्ड निम्विन यथं भेथे रूप्येन असे लर शिरः भी इउटिष्ट भारत अवः मिन ज् 145 CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

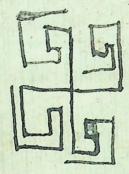


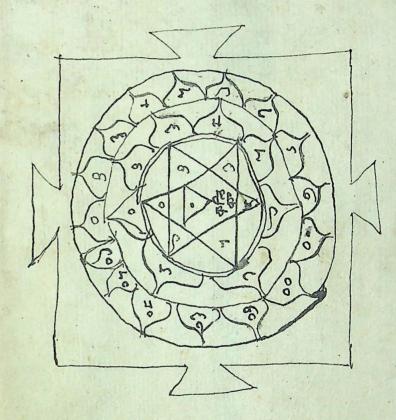
Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

De E EP attato no he 500 也是 CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

विनेभेगुरवेभामिक्य।। विभक्षभच्छण्यी अक्तर विमारी वक्तनम् क्षाएकं अच्छः धरमाक्ष्मी सम्द्रापम् विचालाक्ष्म उउधामाता॥ अक्रज्ञअल्पान जिंद्र निनी भद्रनी गिरी भिक्रप्रअक्रियम भक्ति विक्रमण्डा गानी गंद्रानी भारती माद्राप मिल्ला। उक्त्यमेथी। इहामागाउ मचगडिमानी। भूयाका गाडियाएआला क्रिक्ट के क्रिक्न मेम्ड्यामी थाम इनियनेगा। मन्द्रापम्भागा उपनिधद्यारिल्डणाम् म्य जला । क मुद्रा भक्षा येली मर्पेक भुरालभा वक्राउक हरनी अमी उला सम्मन। निन्धे मुक्ये धाममीय अभ निमन्द्रापम् मूंगा भिष्ठ नर्थ्छ भाषामुन गरा कर्णनेय मिस्क भक्रवागक्विणी। मण्डियाभचकार्स्स वज्याना वन् मापिना निहा मन् भग्र्या निक्रम् । सिराभेकगारलय किया वस्त्रिमिय के निक्ने । असे मिम्ब्री। उर्गानिकानी निर्मानी निर्मानी सिरार्थ मार्चे मापि मेष्ट्र । लिए वेरे निर्मानी निर्मान निर्मा

छिम्री.





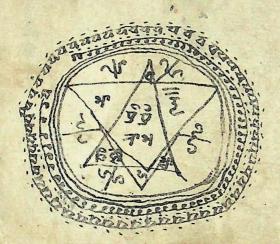
मुख्क निक्वेड्यनिया। न्ययन्भः । नायवा । जिल्ला Nath Raina, Jammu: Refired Priest.

TELBREREN HEIERES भिश्रणः भाने रान न्युनिश्चयन ॥ निष्टनिभिष्टिकन्द्र

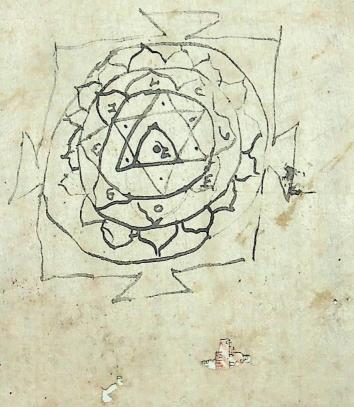
CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

इमेग्नर्भः इमेग्नभः लने। इमेग्नव्यक्तिने यह द्वी द्वारम् भू। क्रिय यह विक्रियेश्वर्थे अप्रस्टापट असुध्येशः द्वारम् द्वीति भेसे हर्वीते। यो छम्हण् विक्रियेशः इसम्बर्भे रूप्यभावितेषहर्तिः अधिष्ठेशं वरीभागः प्रविषः सुक्रम्



Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.



CC-Q. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. अन्वहन्द्रगयान हिलाग्राम मुश्चिनीभ मिम गुरु विकित्राः कलानि गः CC-0, Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. कर्यने भ भ जिल्य है ज्लासि. म रामवाय म निजी अदि म द्वा द्रमयडी भः 子子の土村。 अस्य उ मचांक्षीय. रसन्तम् ००१। उना प्राथनगर्भि॥ १९ CC-D. Courtesy Sanjay Raina, Jaminu. Digittzed by eGangotric

Collection of 81 Year Old Dinastra Range Venimus. Retired Priest. भष्टल्लाम्बउद्धः एकडमं, दर्भमाग्रियभूनिभवश्रीभडिस्रिशंभ मर्पम्यः म्यानीयाममञ्जूषे विर्युयान्तीक्यमार् क्यो भिरः भिरः। विम्नहिमेरहः इक्तन विद्वते वस्टः रम्ण्य मराक्षम म िन्युच्य अने विभिन्नं यभेष्य वयस एएपडये भीष्य मुक्त्य मुक्तिउरे बादन्य भार्कः (प्रक्रः काच मुद्धे भिर्क्त् वस् प्राये उस् पिर भिरुष उप्य निरुखे अन्निक्र मेचेंडिंगेक्स है। इसूपि बडा माइस्पिडिश विन्मून्य। भाविशिक्ष भक्षान्यउय । ब्रुपेम वये उ निख्ये किसिपड्ये .. इ.व-चथकमानिक्य- उन्नमान् चन्नमु CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammue Dightz or by e Gangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

But the the second water or and the

गाएनक गाधन्सः अचभरं

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

Collection of 81 Year Old Dina Nath Raing darymut Reinad Pliest.

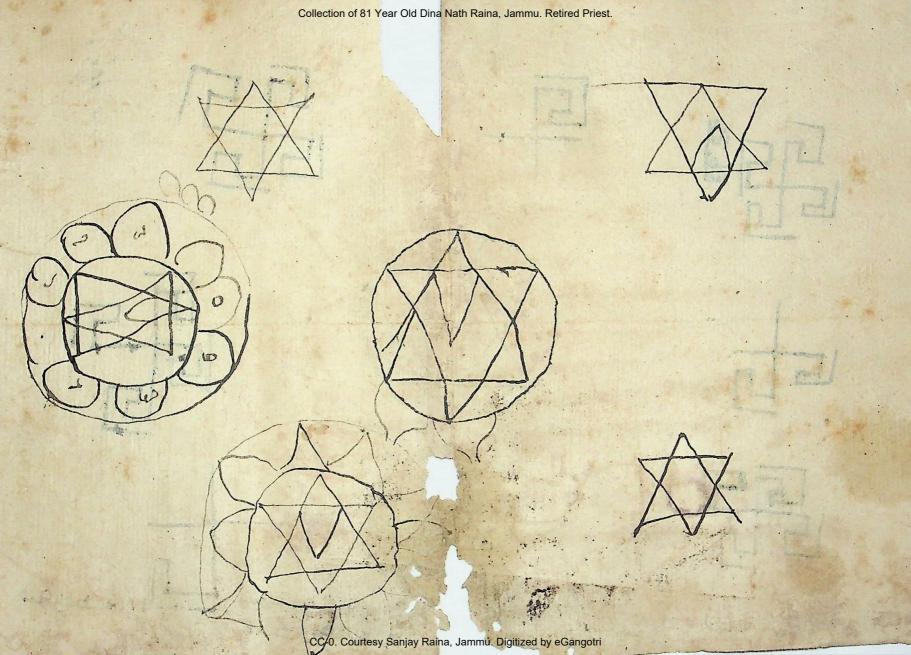
ख्यः भरः १० साउँ कि वृद्धां स्वाप्त के प्रमान प्रमा ॥
उद्गानकार प्रमा । विद्युष्ण के सम्पर्ण । ॥
प्रमानकार प्रमा । विद्युष्ण के स्वाप्त विद्युष्ण कि स्वाप्त विद्युष्ण के स्व

प्रमुड्येन् मा। चर्मी वस्त्रमन्द्रः॥ गम् मन्ध्रे राभवस् वर्णे वर्णे वर्णे राज्ये रमास्य स्मा पर् रामवीस्वार राज्ये स्थमरणास्त्रस्य संविक्षनाः याकिशिनि श्रीधिनिया किंग्स गिश्चिम प्रमाश्चा उर्म्या १ भिक्त इन्ध्याय भामकि दिविश्यों क्राक्रणस्य या अर्थु ? साराष्ट्र वन्त्रकावायायाया स्त्र भ्रम् भाषे प्रदे म

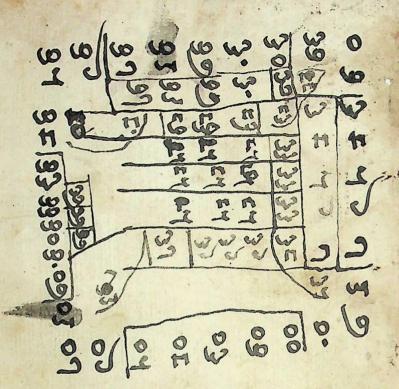
CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

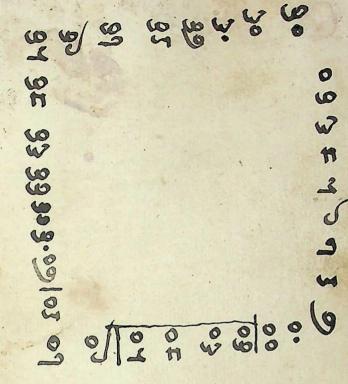
Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

11 : Line Dick of St. Yepr Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest. mong moral ettele EE 11 style Ely Folosper Et 1. EE of Frence निविन्हित्तिव्यानं निवर्डिभाया राज्यस्त्रिक्याय विद्वप्रशानवद्भव मुक्तनसमये मुक्दनं न्य्यावीस्याधावादनंत्र उडः पष्ट्रज्यानामार्वकन्। नुगसु गस्रुपिक् भि चेरु रोष्ड्र पं िलन सचलक सभव दूर माण्या वद्गल, गंकी विश्वेद्रश्रा अचलकिन अशु अलन् क्रा अ क्रिकें य मिम नाउभमा भुज्याभिगुड्रशियद्वनामय ५० महाद्वेभावयेश्व रक्षा ज्ञाचभभइये :, उपर्रम्यभ्याभिन्धान्विद्यक्ष कः प्रार्थ मन्लंखाभिभार्भिभारियः उद्यानित्यम् प्यन्तराचित्रःभेभ। उक्नमभूषायन्। नक्षर्भक्त उर्वेषक्तमण्या हत्त्वप्राहरः ति पष्टाप्यां नाषि मिन्ने निर्मे प्रधान निर्मा नाम मुक् CC-0 Courtesy Sanjay Rama, Jammu. Digitized by eGangotti



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri





०९३६३३३४५७